A–0274

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY-502

MA Jyotish (MAJY)

(सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल विवेचन-01)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आधुनिक समाज में ज्योतिषशास्त्र के महत्व को निरूपित कीजिए।
2. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार 'काल' को व्याख्यायित कीजिए।
3. सिद्धान्त ग्रंथों के अनुसार स्पष्ट भूपरिधि साधन विधि को सोदाहरण समझाइए।
4. भचक्र व्यवस्था के बारे में विस्तार से प्रकाश डालिए।
5. ग्रह गति का विवेचन करते हुए ग्रहों की अष्टधा गति को समझाइए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्योतिषशास्त्र के सिद्धान्त स्कन्ध के बारे में लिखिए।
2. भौमादि पंचतारा ग्रहों के भगण प्रमाण लिखिए।
3. व्यावहारिक काल मानों के बारे में लिखिए।
4. भूपरिधि एवं भूव्यास के 22/7 इस सम्बन्ध को विस्तार से समझाइए।
5. सूक्ष्म काल के बारे में लिखिए।
6. नक्षत्रों के बारे में विस्तार से लिखिए।
7. किसी भी अभीष्ट ग्रंथ के आधार पर ग्रहों के भगण प्रमाण लिखिए।
8. स्थूल काल के बारे में लिखिए।

****